Sl.No.	District	Decline of water levels per year in Punjab		
		40 cm	20-40 cm	upto 20 cm
04	Ludhiana	—	Pakhowal Dehlon	Mangat, Samrala, Doraha, Madhhiwara
05	Sangrur	Dhuri, Malerkotla Ahemadgarh	Sangrur, Barnala, Sunam	—
06	Fatehgarh Sahib	—	Sirhind, Amloh, Khera, Khamanon Bassi Pathana	—
07	Patiala	—	Bhunerheri, Patiala, Sanaur, Rajpura, Ghanaur Samana, Nabha, Patran	—
08	Ropar	—	—	Chamkaur Sahib
09	Gurdaspur	—	—	Gurdaspur, Kalanaur, Dhariwal, Dinanagar, Kahnuwan Batala, Sri Harigobindpur, Qadian, Dera Baba Nanak.
10	Amritsar	—	Patti, Valtoha, Bhikhiwind, Naushera Panuan	Taran Taran, Khadur Sahib, Jandiala Guru, Verka, Majitha, Tarsika, Rayya, Khadur Sahib, Gandiwind

उत्तर प्रदेश में भूमिगत जल स्तर

2629. **श्री मुनव्वर हसन:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में भूमिगत जल स्तर में गिरावट के संबंध में कोई सघन सर्वेक्षण किया है;

(ख) यदि हां, तो सत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने राज्य के कुछ क्षेत्रों में पेयजल की समस्या और सिंचाई के संसाधनों की कमी का समाधान करने के लिए कोई योजना बनाई है; और

(घ) क्या सरकार ने राज्य के सूखाग्रस्त जिलों में पेयजल की अत्यधिक कमी को दूर करने के लिए कोई आधुनिक तकनीक अपनाने के संबंध में कोई निर्णय किया है?

कृषि और जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) और (ख) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड द्वारा किए गए दीर्घावधि प्रेक्षणों से यह पता चला है कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के कुछ भागों में भू जल के स्तरों में प्रतिवर्ष 20 से 65 सेमी. की गिरावट आयी है। भू-जल स्तर में गिरावट का जिलावार विस्तृत विवरण संलग्न विवरण में दिया गया है । (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि वह राज्य में पेय जल की कमी को दूर करने के लिए भारत-डच सहायता प्राप्त स्कीम, न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम, त्वरित ग्रामीण पेय जल आपूर्ति स्कीम, खराब जल वाले रिहायशी क्षेत्रों में पेय जल स्कीम, त्वरित शहरी जल आपूर्ति स्कीम, अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के लिए पेय जल स्कीम जैसी विभिन्न स्कीमों को कार्यान्वित कर रही है। इसके अतिरिक्त, राज्य के सूखा प्रभावित जिलों में पेय जल की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार ने हैंड पंप लगाने, क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों के नवीकरण एवं पंप द्वारा जल आपूर्ति के प्रावधान जैसे उपायों को अपनाया है। केन्द्रीय भू-जल बोर्ड दूरस्थ संवेदी एवं भू भौतिकी तकनीकी के माध्यम से भू जल की उपलब्धता एवं उपस्थिति का पता लगा रहा है।

जहां तक सिंचाई परियोजनाओं का संबंध है, राज्य सरकार ने सूचित किया है कि सरयू नहर परियोजना, सरदार सहायक परियोजना, कन्हर परियोजना, मौदाहा बांध, गुंटा नाला बांध, पथराई बांध, राजघाट नहर, जखलान पंप एकत्र एवं चरखारी दल परियोजना नामक परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है।

विवरण

20 सेमी. से अधिक/प्रति वर्ष की दर से जल स्तर में गिरावट को दर्शाने वाले जिलों की सूची (दीर्घावधि विश्लेषणों पर आधारित)

क्र.सं.	जिला	ब्लाक	
1.	आगरा	अचनेरा	0.22
		बरौली अहीर	0.42
		बिचपुरी	0.29
		फतेहाबाद	0.37
		फतेहपुर सिकरी	0.32
		जगनेर	0.24
		जसराना	0.45
		खनौली	0.43
		खेरागढ़	0.24
		पिनाहट	0.66
		मेयान	0.22
2.	अलीगढ़	गेंगरी	0.30
		हसेन	0.25
		हाथरस	0.21
		लौधा	0.28
		तप्पल	0.30
3.	इलाहाबाद	कारा	0.57
		मंझनपुर	0.24
		मउआइमा	0.30
		नेवाड़	0.21
		बरसावन	0.51
		सिराथु	0.26
4.	आजमगढ़	तरवा	0.27
5.	बदायूं	बिनवार	0.37
		इस्लाम नगर	0.29
		उसावन	0.25
6.	बहराइच	जरवाल	0.24
		नवाबगंज	0.24
7.	बलिया	बैरिया	0.23
		गरवार	0.25
		रेवती	0.23
8.	बांदा	बावेरू	0.29
		कामासिन	0.59
		मऊ	0.43
		तिंदवारी	0.60
9.	बरेली	दरियाबाद	0.22
		हरख	0.27
10.	बरेली	दियारा	0.44
		मीरगंज	0.32
		रामनगर	0.30

पारम्परिक सिंचाई प्रणाली

2630. **श्री राज मोहिन्दर सिंह:**
श्री कपिल सिब्बल:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार गांवों में तालाबों, पोखर आदि का विकास करके देश की पारम्परिक सिंचाई प्रणाली को पुन: प्रारंभ करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि देश में वर्षा के माध्यम से उपलब्ध जल का सिंचाई के लिए 50 प्रतिशत से भी कम मात्रा में उपयोग होने का अनुमान है; और

(ग) यदि नहीं, तो देश में सिंचाई के प्रयोजनार्थ वर्षा के जल की उपलब्धता के संबंध में सरकार का क्या आकलन है और उक्त तालाबों और पोखरों इत्यादि का विकास करके इसकी उपलब्धता को किस सीमा तक बढ़ाया जाएगा?

कृषि और जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) सिंचाई राज्य का विषय होने के कारण, राज्य सरकारें स्थानीय स्थल स्थितियों के आधार पर तालाबों, पोखरों आदि जैसी परम्परागत सिंचाई प्रणालियों के अलावा आधुनिक सिंचाई प्रणालियों को भी क्रियान्वित कर रही हैं।

(ख) और (ग) उपलब्ध वर्षा जल के 50% से भी कम जल का देश में सिंचाई के लिए प्रयोग किये जाने की संभावना है। तालाबों और पोखरों आदि का विकास करके सिंचाई के लिए वर्षा जल की उपलब्धता को बढ़ाने के बारे में कोई अलग अनुमान नहीं लगाया गया है।

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की संयुक्त जल भण्डारण परियोजना

2631. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच केन नदी के जल के बंटवारे के संबंध में सहमति न होने के कारण गंगऊ नामक स्थान पर संयुक्त जल भण्डारण परियोजना पूर्ण नहीं हो पा रही है;